Roll No. .....

Y – 378 / Y– 379 / Y– 380 / Y– 381 (S)

B.A. (Third Year) EXAMINATION, (Suppl./Second Chance) Sept.-2021

HINDI LITERATURE

Paper – I & II

प्रयोजन मूलक हिन्दी/हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बुन्देली भाषा/हिन्दी नाटक निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बघेली भाषा/हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं मालवी भाषा

Time : Three Hours

Maximum Marks : 40 + 40 = 80 (For Regular Students) *Minimum Pass Marks : 33%*

Maximum Marks : 50 + 50 = 100 (For Private Students) *Minimum Pass Marks : 33%*

नोट– खण्ड अ अनिवार्य है। शेष खण्ड ब, स एवं द में से कोई एक खण्ड के उत्तर दीजिये।

खण्ड (अ)

(प्रयोजन मूलक हिन्दी)

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का आशय स्पष्ट करते हुये प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता को प्रतिपादित कीजिये। 13/16

2. हिन्दी भाषा में कम्प्यूटिंग से आप क्या समझते हैं? कामकाजी हिन्दी में कम्प्यूटिंग के उपयोग पर संक्षिप्त प्रकाश डालिये। 13/17

3. हिन्दी में व्यावसायिक पत्र-लेखन के महत्व को समझाते हुये व्यावसायिक पत्रों की आवश्यकता को रेखांकित कीजिये। 14/17

खण्ड (ब)

(हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बुन्देली भाषा)

4. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये– 13/16

(अ) "ले फालसा, खिन्नी, आम, अमरूत, निबुआ, मटर, होरहा। जैसे काजी-वैसे पाजी। रैयत राजी, टके सेर भाजी। ले हिन्दुस्तान की मेवा फूट और बैर।"

(ब) "भवानी·····मुझे बल दो कि मैं राजवंश की रक्षा में अपना रक्त दे सकूँ। अपने लाल को दे सकूँ। यह राजपूतानी का व्रत है। यही राजपूतानी की मर्यादा है। यही राजपूतानी का धर्म है। मेरा हृदय वज्र का बना दो। माता के हृदय के स्थान पर पत्थर बना दो, जिससे ममता का स्रोत बन्द हो जाये। भवानी! मैं चित्तौड़ की सच्ची नारी बनूँ।"

P.T.O.

(स) "उन्होंने कहा था—हम दोस्त हैं, लेकिन आज तो हम दुश्मन हैं सच तो यह है कि साथ रहते थे, तब भी दुश्मन माने जाते थे, अलग हैं तब भी दुश्मन हैं। दुश्मनी का माहौल जैसे सच्चाई है, बाकी सब झूठ है·····क्या यह बदल नहीं सकता ? क्या हम कभी एक दूसरे को प्यार नहीं कर सकते ? क्या इंसान····· ?"

5. प्रहसन की विशेषताएँ लिखते हुये 'अंधेर नगरी' का व्यंग्यार्थ लिखिये। 13/17

6. निबन्ध की परिभाषा लिखते हुये उसके प्रमुख तत्व बताइये। 14/17

खण्ड (स)

(हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बघेली भाषा)

7. 'अन्धेर नगरी' **अथवा** 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की तात्त्विक समीक्षा कीजिये। 13/16

8. हिन्दी नाटक की उत्पत्ति एवं विकास पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये। 13/17

9. संक्षिप्त उत्तर दीजिये— 14/17

(क) लक्ष्मीनारायण लाल के कलागत वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिये।

(ख) हिन्दी निबन्ध के विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

(ग) रामनाथ प्रधान की काव्यगत विशेषताएँ लिखिये।

खण्ड (द)

(हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं मालवी भाषा)

10. 'ध्रुवस्वामिनी के चरित्र में आधुनिक नारी का स्वर सुनाई देता है।' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिये। 13/16

11. बालकवि बैरागी **अथवा** नरहरि पटेल की रचनागत विशेषताओं का वर्णन कीजिये। 13/17

12. हिन्दी नाटक की उत्पत्ति एवं विकास क्रम पर प्रकाश डालिये। 14/17